भरत और उनका नाट्यशास्त्र

डॉ० ब्रजवल्लभ मिश्र

भरतमुनि कृत 'नाट्यशास्त्रम्' कला और काव्य की तात्त्विक व्याख्या करने वाला विश्व का प्राचीनतम् ग्रंथ है। ग्रंथ के 37 अध्याय और लगभग 6000 श्लोकों में काव्य और कला के सूक्ष्म से सूक्ष्म अंगों का सैद्धान्तिक एवम् प्रायोगिक विवेचन हुआ है। इस ग्रंथ ने काव्य और कला की दो धाराओं को जन्म दिया। परवर्ती काल में विद्वानों ने 'नाट्यशास्त्र' को आधार बनाकर शताब्दियों तक शताधिक ग्रंथों की रचना की। इसका आधार लेकर संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश तथा हिन्दी में प्रभूत रूप से नाटक के लक्षण ग्रंथ तथा अन्य रचनाएँ लिखी गयीं।

प्रस्तुत पुस्तक में नाट्यशास्त्री डॉ. ब्रजवल्लभ मिश्र ने नाट्यशास्त्र के महत्वपूर्ण अंगों को अत्यन्त बोधगम्य भाषा में सचित्र प्रस्तुत किया है। डॉ. मिश्र कलाविद् भी हैं और साहित्यविद भी। अतः 'नाट्यशास्त्र' के सिद्धान्त और प्रयोग दोनों पक्षों को ध्यान में रखते हुए डॉ. मिश्र ने इस पुस्तक की रचना की है। यह पुस्तक न केवल अध्येताओं के लिए अपितु छात्रों के लिए भी अत्यन्त उपयोगी है। हिन्दी में नाट्यशास्त्र पर यह प्रथम पुस्तक है, जो संक्षेप में नाट्यशास्त्र के समग्र रूप को उजागर कर देती है।

डॉ. ब्रजवल्लभ मिश्र

सेवा-निवृत्त प्रोफेसर, मथुरा; सन् 1950 से निरंतर लेखन। नाटककार, निर्देशक, अभिनेता, चित्रकार, समीक्षक, नृत्य-विशेषज्ञ।

- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सन् 1958 में 'श्रेष्ठ निर्देशक' के रूप में शाकुन्तल पुरस्कार
- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सन् 1959 में 'श्रेष्ठ नाटक लेखक' के रूप में शाकुन्तल पुरस्कार
- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सन् 1959 में 'श्रेष्ठ अभिनेता' के रूप में पुरस्कृत
- गुजरात द्वारा 'शिखर-सम्मान' से अलंकृत
- मध्य प्रदेश सरकार द्वारा अ.भा. सेठ गोविन्ददास पुरस्कार से सम्मानित
- दर्जनों नाटक लिखे, निर्देशित किये, अभिनय किया
- विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में कई नाटक संकलित
- हिन्दी-अंग्रेजी दोनों भाषाओं में लेखन
- उत्तर प्रदेश सरकार के हिन्दी-संस्थान द्वारा 'साहित्य भूषण' सम्मान
- उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी द्वारा नाट्यविद् के रूप में 'अकादेमी सम्मान'
- बम्बई में नाट्य के प्राध्यापक रहे
- अनेक नाट्य-कार्यशालाओं के प्रशिक्षक रहे
- अनेक विदेशी परियोजनाओं से सम्बद्ध
- भरतमुनि कृत 'नाट्यशास्त्रम्' सम्पूर्ण का हिन्दी अनुवाद किया
- 'नाट्यशास्त्र का पारिभाषिक संदर्भ-कोश' बनाया
- कला और साहित्य दोनों विधाओं के मर्मज्ञ
- उच्चस्तरीय पत्र-पत्रिकाओं में निबन्ध, कहानी आदि प्रकाशित
- अनेक संस्थाओं ने मानद उपाधियों से अलंकृत किया
- साहित्य और कत्थक नृत्य के पी.एच.डी. शोधार्थियों के निर्देशक

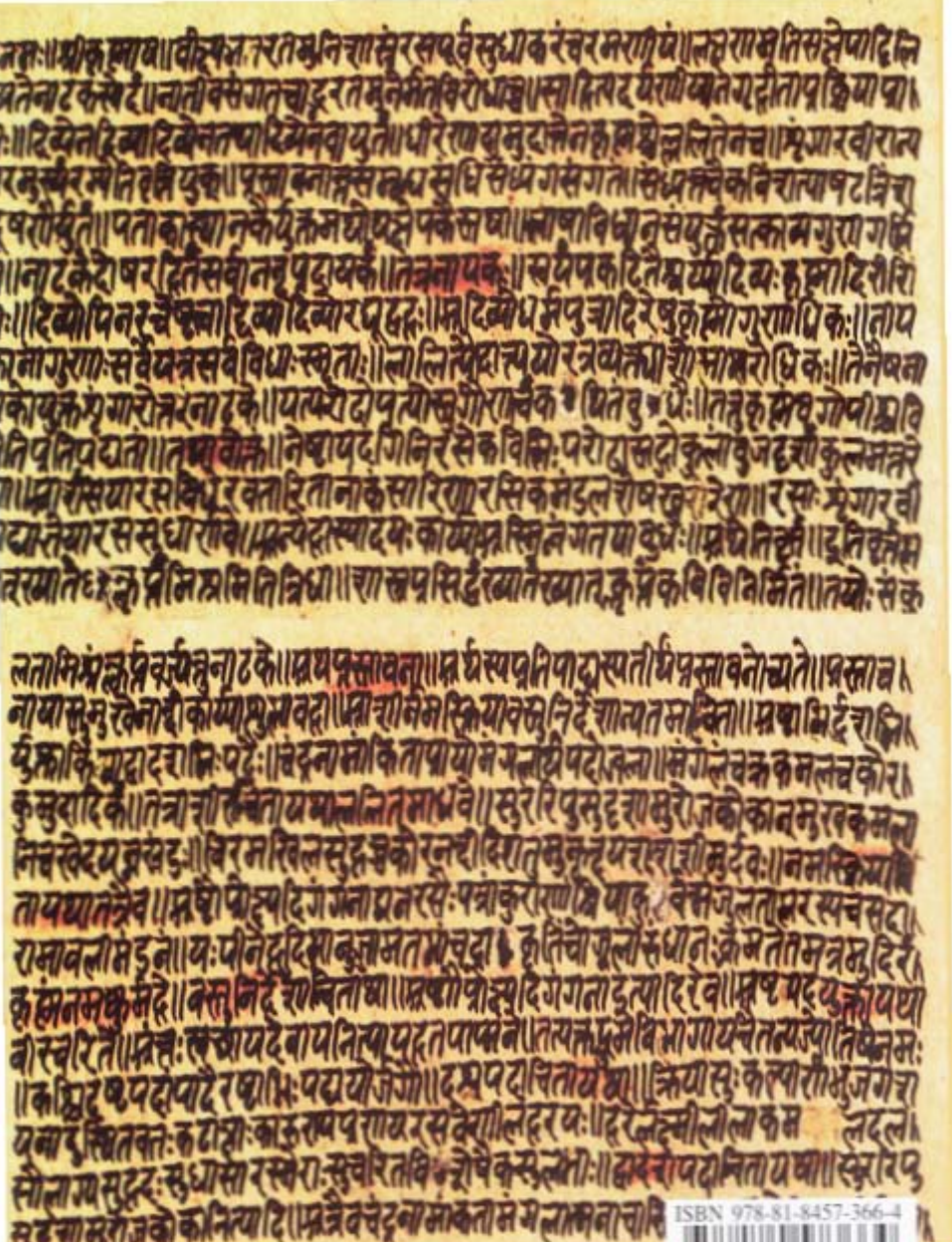

ISBN 978-81-8457-366-4

संगीत नाटक अकादेमी
ई-मेल: sangeetnatak@bol.net.in

कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स
ई-मेल: kanishka_publishing@yahoo.co.in

₹ 500